नईदुनिया

भोपाल, 18 जुलाई 2026

खास-खबरें

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ोतरी

नईदुनिया ब्यूरो,मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.157 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पहले 3 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भी देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.193 अरब डॉलर पर पहुंचा था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 93 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई। इसके साथ ही यह बढ़कर 546.508 अरब डॉलर पर पहुंच गई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो तथा ब्रिटानी पाउंड भी शामिल हैं। इन तीनों मुद्राओं के मूल्य का आकलन डॉलर के मुकाबले उनकी विनिमय दर के आधार पर किया जाता है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार में भी वृद्धि दर्ज की गई। स्वर्ण भंडार 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 105.23 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि में 70 लाख डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद यह 18.626 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं विशेष आहरण अधिकार में 30 लाख डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई और इसका स्तर बढ़कर 4.793 अरब डॉलर हो गया।

गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन, 414% बढ़ा राजस्व, मुनाफा 1600% उछला

नईदुनिया ब्यूरो,वडोदरा: नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का परिचालन राजस्व 414% बढ़कर 12.45 करोड़ और कर पश्चात लाभ 1600% बढ़कर 1.25 करोड़ पहुंच गया। प्रति शेयर आय 0.05 से बढ़कर 0.86 हो गई। निदेशक मंडल ने कंपनी का नाम बदलकर रेजेनोवा रिन्यूटेक लिमिटेड करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साथ ही मुरली शिवशंकरन नायर को तीन वर्ष के लिए प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। कंपनी सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल वितरण और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार पर तेजी से काम कर रही है।

विप्रो को पहली तिमाही में 3,356 करोड़ रुपये का मुनाफा

नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरु : देश की अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 3,356 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 3,337 करोड़ रुपये के मुकाबले 0.6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, तिमाही-दर-तिमाही इसमें 4.7 प्रतिशत की गिरावट आयी है। कंपनी के निदेशकमंडल की यहां गुरुवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। निदेशकमंडल ने दो रुपये अंकित मूल्य वाले हर इक्विटी शेयर पर दो रुपये का अंतरिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया है। अंतरिम लाभांश के आवंटन के लिए 27 जुलाई की शेयरधारिता को आधार बनाया जायेगा। लाभांश का भुगतान 14 अगस्त को किया जायेगा। तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 10.59 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,477 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

देश में जल्द चलेंगे प्लास्टिक के नोट रिजर्व बैंक ने जारी की निविदा

10 और 20 रुपये के नोटों से होगा प्रारंभिक परीक्षण, सफलता मिलने पर वर्ष 2027 से व्यापक स्तर पर जारी करने की संभावना

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक देश में प्लास्टिक से बने नोटों के पहले परीक्षण की तैयारी कर रहा है। विभिन्न माध्यमों में प्रकाशित समाचारों के अनुसार, यह देश में नई पीढ़ी की मुद्रा व्यवस्था लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रारंभिक चरण में 10 रुपये और 20 रुपये के नोटों पर इसका परीक्षण किए जाने की संभावना है। परीक्षण के परिणामों और अनुभवों के आधार पर आगे की योजना तय की जाएगी। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो वर्ष 2027 से बहुलक नोटों को व्यापक स्तर पर जारी किया जा सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पष्ट किया है कि प्लास्टिक नोटों के आने के बाद वर्तमान कागजी नोट तत्काल प्रचलन से बाहर नहीं होंगे। दोनों प्रकार की मुद्रा एक साथ चलन में रहेगी और परिवर्तन की प्रक्रिया चरणबद्ध ढंग से पूरी की जाएगी। जब तक नए नोट पूरी तरह स्थापित नहीं हो जाते, तब तक कागजी नोटों का प्रचलन जारी रहेगा।

इस परियोजना की तैयारियों के तहत भारतीय रिजर्व बैंक की नोट मुद्रण इकाई ने विशेष प्रकार की प्लास्टिक परत के निर्माण और आपूर्ति के लिए वैश्विक निविदा जारी की है। इस निविदा के माध्यम से विश्वभर की योग्य और अनुभवी कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। निविदा में उन्नत सुरक्षा विशेषताओं से युक्त प्लास्टिक परत की आपूर्ति का प्रावधान किया गया है, जिसका उपयोग नए नोटों की छपाई में किया जाएगा। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 18 अगस्त निर्धारित की गई है।

प्लास्टिक नोट ज्यादा टिकाऊ

प्लास्टिक से बने नोट पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ माने जाते हैं। ये पानी, धूल और गंदगी से कम प्रभावित होते हैं तथा आसानी से फटते नहीं हैं। इसी कारण इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक परत में आधुनिक सुरक्षा विशेषताओं को प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सकता है, जिससे नकली नोट तैयार करना अत्यंत कठिन हो जाता है और मुद्रा की सुरक्षा और अधिक मजबूत होती है।

कई देशों में प्लास्टिक नोटों का उपयोग

दुनिया के कई देशों में प्लास्टिक नोटों का उपयोग पहले से किया जा रहा है। इनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और न्यूजीलैंड प्रमुख हैं। भारतीय रिजर्व बैंक भी पहले नोटों की आयु बढ़ाने और उनकी गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से बहुलक नोटों को अपनाने की इच्छा व्यक्त कर चुका है। प्रस्तावित परीक्षण को इस दिशा में पहला व्यावहारिक कदम माना जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक वक्तव्य जारी नहीं किया गया है।

शेयर बाजार में जोरदार तेजी सेंसेक्स 964 अंक उछला

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 964 अंकों की बढ़त के साथ 78,151 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 261 अंक चढ़कर 24,334 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दिनभर के कारोबार में बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और वाहन क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी दर्ज की गई।

जून तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित होने से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 2.5 प्रतिशत की तेजी रही और यह 1,328 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले एक माह से एक वर्ष की अवधि में कंपनी के शेयर पर दबाव बना हुआ है और इसमें विभिन्न अवधियों के दौरान गिरावट दर्ज की गई है।

उधर, एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख रहा। दक्षिण कोरिया, जापान और हांगकांग के प्रमुख सूचकांकों में उल्लेखनीय कमजोरी दर्ज की गई। वहीं, अमेरिकी बाजार भी पिछले कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले कारोबारी दिवस 4,206 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,987 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स लगभग स्थिर रहा था और एक अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,186 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी पांच अंक की गिरावट के साथ 24,072 अंक पर बंद हुआ। उस दिन भू-संपदा क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली दर्ज की गई।

सोना-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट

सप्ताहभर में सोना 2,104 रुपये और चांदी 3,753 रुपये सस्ती हुई

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। भारतीय बुलियन एवं ज्वेलर्स संघ के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव 415 रुपये घटकर प्रति 10 ग्राम 1,41,264 रुपये रह गया। इससे पहले गुरुवार को इसका भाव 1,41,679 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

वहीं, चांदी की कीमत 797 रुपये घटकर 2,16,637 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एक दिन पहले इसका भाव 2,17,434 रुपये प्रति किलोग्राम था। बीते एक सप्ताह के दौरान सोने की कीमत में 2,104 रुपये तथा चांदी में 3,753 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। 10 जुलाई को सोना 1,43,368 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी।

इस वर्ष दोनों बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 29 जनवरी को सोना 1,76,121 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। इसके बाद से अब तक इसमें 34,857 रुपये की गिरावट आ चुकी है। इसी प्रकार चांदी 29 जनवरी को 3,85,933 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वोच्च स्तर पर पहुंची थी, जिसके बाद इसकी कीमत में 1,69,296 रुपये की कमी दर्ज की गई है।

केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। सरकार के अनुसार इस निर्णय का उद्देश्य विदेशी खरीद को कम करना और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले दबाव को घटाना है। इस बीच बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है।

जियो की स्वदेशी उपग्रह संचार योजना को तकनीकी स्वीकृति

करीब 1,600 उपग्रहों के नेटवर्क से देश में नई संचार व्यवस्था की दिशा में बढ़ा महत्वपूर्ण कदम

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: रिलायंस उद्योग समूह की कंपनी रिलायंस जियो के करीब 1,600 संचार उपग्रहों का नेटवर्क विकसित करने के प्रस्ताव को भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र ने तकनीकी रूप से उपयुक्त माना है। सूत्रों के अनुसार, इससे देश के पहले स्वदेशी निम्न पृथ्वी कक्षा आधारित उपग्रह संचार नेटवर्क की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

सूत्रों के मुताबिक इस प्रस्ताव का तकनीकी मूल्यांकन भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन तथा दूरसंचार विभाग के बेतार विनियोजन एवं समन्वय प्रभाग ने संयुक्त रूप से किया। समीक्षा में जियो के प्रस्तावित नेटवर्क को तकनीकी क्षमता के आधार पर वैश्विक उपग्रह संचार प्रणालियों के समकक्ष माना गया है। हालांकि, परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी को अभी कई नियामकीय प्रक्रियाओं से गुजरना होगा।

परियोजना पूरी होने पर यह निजी क्षेत्र द्वारा विकसित देश का पहला विशाल स्वदेशी निम्न पृथ्वी कक्षा आधारित संचार उपग्रह तंत्र होगा। जियो ने इसके लिए सरकार से अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ में आवश्यक सूचना, उपग्रह परिभ्रमण कक्षा के अधिकार तथा कक्षीय स्थान उपलब्ध कराने में सहयोग का अनुरोध किया है।

कंपनी इस नेटवर्क के माध्यम से उपग्रह आधारित व्यापक अंतरजाल सेवा, सेल्युलर संपर्क सहायता तथा मोबाइल उपग्रह सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य कर रही है। भविष्य में सीधे मोबाइल उपकरणों को उपग्रह से जोड़ने की सेवा शुरू करने की भी तैयारी है। इसके लिए 20 से 22 भू-केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, जियो का प्रस्तावित नेटवर्क भारत में 4.5 से 5 टेराबिट प्रति सेकंड क्षमता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। तुलना के लिए, स्टारलिंक को भारत में 600 गीगाबिट प्रति सेकंड क्षमता की मंजूरी मिली है, जबकि अमेजन की निम्न पृथ्वी कक्षा आधारित उपग्रह परियोजना लगभग 3 टेराबिट प्रति सेकंड क्षमता की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे अभी तकनीकी स्वीकृति मिलनी शेष है।

भारतीय वस्त्र उद्योग का भविष्य उज्जवल : गिरिराज सिंह

कारीगरों, डिज़ाइनरों और लघु उद्यमियों को बताया वैश्विक पहचान की सबसे बड़ी शक्ति

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि भारतीय वस्त्र क्षेत्र का भविष्य उत्साहजनक है और देश के कारीगरों, डिज़ाइनरों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पास वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय ब्रांड स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कारीगर और छोटे उद्यमी देश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा, वस्त्र विरासत और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स-2026 के दौरान 'भारतीय ब्रांड, वैश्विक महत्वाकांक्षाएं : सीमाओं से परे खुदरा विकास को नई परिभाषा' विषय पर आयोजित विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजारों में भारतीय ब्रांडों को नई पहचान दिलाने के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। गुणवत्ता, सतत विकास तथा उत्पाद की स्रोत से उपभोक्ता तक पारदर्शी जानकारी भी समान रूप से आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध हस्तशिल्प और वस्त्र परंपरा को प्रभावी ढंग से विश्व के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उनके अनुसार कारीगर और बुनकर देश के वस्त्र तंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं तथा भारत टेक्स-2026 जैसे आयोजन उन्हें अपनी कला का वैश्विक प्रदर्शन करने, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से जुड़ने और नए आजीविका अवसर प्राप्त करने का मंच उपलब्ध कराते हैं।

सत्र में डिज़ाइनरों, उद्यमियों, विनिर्माताओं तथा विभिन्न व्यापारिक मंचों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें भारतीय वस्त्र एवं जीवनशैली ब्रांडों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय विस्तार की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

वस्त्र मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के वस्त्र एवं परिधान निर्यात का मूल्य लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 9 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही, मुक्त व्यापार समझौतों के विस्तार से वैश्विक बाजारों तक पहुंच के नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं।

निर्यातित डीजल और विमान ईंधन पर उत्पाद शुल्क बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने निर्यात किए जाने वाले पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की दरों में संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार नई दरें 16 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। संशोधित व्यवस्था के तहत निर्यातित डीजल और विमान ईंधन पर उत्पाद शुल्क में सात-सात रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जबकि निर्यातित पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 1.50 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। अधिसूचना के अनुसार, निर्यातित पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क चार रुपये प्रति लीटर से घटाकर 1.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं, निर्यातित डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी प्रकार, निर्यातित विमान ईंधन पर यह शुल्क 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर निर्धारित किया गया है।

रायपुर के उपभोक्ता फोरम के फैसले को चुनौती देगी मारुति

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा है कि रायपुर के जिला उपभोक्ता विवाद समाधान आयोग के उस आदेश को चुनौती देगी जिसमें एक ग्राहक के वाहन के बदले उसे ई20 के अनुकूल वाहन देने का निर्देश दिया गया है।

कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में दावा किया है कि इस मामले में ग्राहक के वाहन से प्राप्त ईंधन में मिलावट के प्रमाण मिले हैं। साथ ही आदेश में कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की भी अनदेखी की गयी है।

उसने कहा है कि वह कानून के दायरे सक्षम उच्चतर फोरम के समक्ष इस आदेश को चुनौती देने के लिए जरूरी कदम उठायेगी।

आयोग ने मारुति सुजुकी और उसके अधिकृत डीलर को सेवा में कमी का दोषी ठहराते हुए उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया था। उसने निर्देश दिया है कि कंपनी 45 दिन के भीतर उपभोक्ता को उसी मॉडल की ई20 अनुकूल नयी कार उपलब्ध कराये या वाहन की कीमत (करीब 20.50 लाख रुपये) सहित पंजीयन, बीमा एवं अन्य मदों में खर्च की गयी राशि लौटाये। साथ ही मानसिक प्रताड़ना के लिए एक लाख रुपये का मुआवजा तथा मुकदमे में खर्च हुये 10 हजार रुपये का भुगतान भी करे।

आयोग ने अपने निर्णय में माना कि संबंधित वाहन ई20 ईंधन के अनुरूप नहीं था, फिर भी उपभोक्ता को बेचा गया।

वहीं, कंपनी ने बयान में दावा किया है कि वाहन ई20 के अनुकूल था और ओनर्स मैनुअल में लिखा हुआ है कि ई20 ईंधन के लिए पूरी तरह तैयार था।

ई20 (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल) ईंधन के कारण पुराने वाहनों के इंजन को नुकसान की चर्चा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं, लेकिन किसी अदालत या फोरम द्वारा इस बात को स्वीकार करने का यह पहला मामला है।

स्पेशल खबर विशाल क्षमता और उन्नत विश्लेषण के साथ जटिल कार्यों के लिए तैयार, 27 जुलाई को सार्वजनिक होंगे तकनीकी विवरण

चीन ने पेश किया नया कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल 'किमी के-3'

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: चीनी कंपनी मूनशॉट कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने अपना नया कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल 'किमी के-3' प्रस्तुत किया है। कंपनी का दावा है कि यह 2.8 खरब मापदंडों वाला विश्व का पहला खुला मॉडल है। इसमें 10 लाख टोकन की संदर्भ क्षमता उपलब्ध कराई गई है, जिससे यह एक बार में अत्यधिक मात्रा में जानकारी को समझकर उसका विश्लेषण करने में सक्षम बताया गया है। कंपनी के अनुसार, पिछले मॉडल 'किमी के-2' की तुलना में इसकी विस्तार दक्षता लगभग ढाई गुना बेहतर है।

कंपनी का कहना है कि अधिक मापदंड होने से मॉडल जटिल विषयों को बेहतर ढंग से समझ सकता है। 2.8 खरब मापदंड होने के कारण इसे तीन खरब श्रेणी के निकट माना जा रहा है। वहीं, 10 लाख टोकन की संदर्भ क्षमता का अर्थ है कि यह बड़े दस्तावेज, विस्तृत अभिलेख अथवा हजारों पंक्तियों वाले संगणकीय निर्देशों को एक साथ संसाधित कर सकता है।

मूनशॉट कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुसार, यह मॉडल 'किमी डेल्टा अटेंशन' और 'अटेंशन रेजिड्यूल्स' नामक तकनीक पर आधारित है। यह प्रणाली आवश्यक सूचनाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है और पहले से संसाधित जानकारी का प्रभाव बनाए रखती है। इससे बड़े और जटिल कार्य अपेक्षाकृत अधिक गति और सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं।

मॉडल के पूर्ण तकनीकी मानक और संरचना 27 जुलाई तक सार्वजनिक कर दिए जाएंगे

मूनशॉट कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने बताया है कि इस मॉडल के पूर्ण तकनीकी मानक और संरचना 27 जुलाई तक सार्वजनिक कर दिए जाएंगे। कंपनी का कहना है कि इसे खुला मॉडल रखने का उद्देश्य विश्वभर के विकासकर्ताओं और शोधकर्ताओं को इसके आधार पर अपने अनुप्रयोग विकसित करने की सुविधा देना है। हालांकि कंपनी ने स्वीकार किया है कि प्रदर्शन के मामले में यह मॉडल अमेरिका के नवीनतम कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडलों से अभी पीछे है, लेकिन कई मानक परीक्षणों में इसने पुराने अमेरिकी मॉडलों से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बीच अमेरिकी कंपनियों ने चीनी कंपनियों द्वारा कम लागत वाले मॉडल जारी किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। एंथ्रोपिक ने आरोप लगाया है कि डीपसीक, मूनशॉट और मिनीमैक्स ने उसके मॉडल की क्षमताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया। कंपनी के अनुसार लगभग 24 हजार फर्जी खातों के माध्यम से उसके मंच का 1.6 करोड़ बार उपयोग किया गया।

मॉडल में अंतर्निहित दृश्य क्षमता भी दी गई है। इसके माध्यम से यह केवल लिखित सामग्री ही नहीं, बल्कि चित्र, रेखाचित्र, चिकित्सकीय चित्रांकन और अन्य दृश्य सामग्री का भी विश्लेषण कर सकता है। कंपनी का दावा है कि इसे विशेष रूप से संगणकीय निर्देश तैयार करने, ज्ञान आधारित कार्यों तथा तार्किक विश्लेषण जैसे जटिल कार्यों के लिए विकसित किया गया है।

वस्त्र उद्योग की पहली पूर्ण स्वचालित फैक्टरी की तैयारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दक्षिण भारत की प्रमुख वस्त्र कंपनी रामराज कॉटन तमिलनाडु के तिरुपुर में वस्त्र उद्योग की दुनिया की पहली पूर्ण स्वचालित फैक्टरी स्थापित करने की योजना पर कार्य कर रही है। कंपनी के अनुसार यह संयंत्र पूरी तरह रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वस्तुओं के अंतरजाल आधारित तकनीक से संचालित होगा तथा इसमें मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा।

भारत मंडपम में आयोजित चार दिवसीय वैश्विक वस्त्र प्रदर्शनी के दौरान कंपनी के प्रतिनिधि मूर्ति ने बताया कि वस्त्र उद्योग में अब तक इस प्रकार की पूर्ण स्वचालित फैक्टरी कहीं स्थापित नहीं हुई है। इसलिए इसके लिए आवश्यक तकनीक और समाधान कंपनी स्वयं विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंपनी के अनुभव का समन्वय किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती कपड़े को संभालने की है, जिसके समाधान के लिए वायु आधारित तकनीक का उपयोग करने की योजना बनाई गई है। इस संबंध में कंपनी सर्वम् और जोहो से भी चर्चा कर रही है। मूर्ति ने बताया कि परियोजना पर लगभग पांच प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। प्रारंभिक चरण में तिरुपुर में एक छोटे संयंत्र से शुरुआत की जाएगी, जहां धागा तैयार करने से लेकर सिले हुए वस्त्र बनाने तक की पूरी प्रक्रिया स्वचालित रूप से संचालित होगी। प्रारंभिक प्रयोग सफल रहने पर इसका विस्तार किया जाएगा।